HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : AUGUST 11, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

1. भारत में प्रारंभिक राष्ट्रवादी राजनीति की प्रकृति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **नरमपंथियों** का मानना था कि संवैधानिक आंदोलन और अंग्रेजों के साथ संवाद धीरे-धीरे स्वशासन की ओर ले जाएगा।
2. **चरमपंथियों** (गरम दल) ने संवैधानिक तरीकों के सभी रूपों को खारिज कर दिया और विशेष रूप से ब्रिटिश शासन के खिलाफ हिंसक क्रांति की वकालत की।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) कोई नहीं (d) दोनों

2. निम्नलिखित में से कौन सा एक विक्षुब्ध (disturbed) पारिस्थितिकी तंत्र में "पारिस्थितिक अनुक्रमण" (ecological succession) की अवधारणा को सबसे अच्छी तरह समझाता है?

(a) विक्षोभ के बाद चरम प्रजातियों (climax species) की तत्काल स्थापना (b) समय के साथ प्रजातियों का क्रमिक और अनुक्रमिक प्रतिस्थापन (c) विक्षोभ के कारण जैव विविधता की स्थायी हानि (d) संतुलन बहाल करने के लिए प्रजातियों का कृत्रिम परिचय

3. मुद्रास्फीति और मौद्रिक नीति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **लागत-प्रेरित मुद्रास्फीति** (Cost-push inflation) अर्थव्यवस्था में कुल मांग में वृद्धि के कारण उत्पन्न होती है।
2. **कोर मुद्रास्फीति** (Core inflation) में खाद्य और ईंधन जैसे अस्थिर घटकों को शामिल नहीं किया जाता है।
3. **कठोर मौद्रिक नीति** में आमतौर पर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि शामिल होती है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई नहीं

4. संघवाद से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत का संविधान संघ और राज्यों के बीच शक्तियों के स्पष्ट विभाजन के साथ एक **दोहरी राजनीति** (dual polity) का प्रावधान करता है।
2. भारतीय संविधान के तहत **अवशिष्ट शक्तियाँ** (residuary powers) राज्यों के पास होती हैं।
3. **अंतर-राज्य परिषद** राज्यों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।

4. संसद कुछ विशेष परिस्थितियों में **राज्य सूची** के विषयों पर कानून बना सकती है, जैसे कि राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार

5. अभिकथन (A): उपोष्णकटिबंधीय अक्षांशों में महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर स्थित क्षेत्र अक्सर भूमध्यसागरीय जलवायु का अनुभव करते हैं।

कारण (R1): ये क्षेत्र गर्मियों में उपोष्णकटिबंधीय उच्च-दबाव बेल्ट से प्रभावित होते हैं, जिससे शुष्क स्थिति पैदा होती है। **कारण (R2):** सर्दियों में, पछुआ हवाओं (westerlies) का खिसकाव इन क्षेत्रों में चक्रवाती वर्षा लाता है।

निम्नलिखित में से कौन सा सही है? (a) R1 और R2 दोनों सही हैं और दोनों A की व्याख्या करते हैं (b) R1 और R2 दोनों सही हैं, लेकिन केवल एक A की व्याख्या करता है (c) कारणों में से केवल एक सही है (d) न तो R1 और न ही R2 सही है

उत्तर

1. **(b)**
2. **(b)**
3. **(b)**
4. **(c)**
5. **(a)**

व्याख्या

1. **कथन 1 सही है** – नरमपंथी (जैसे दादाभाई नौरोजी, गोखले) संवैधानिक साधनों के माध्यम से क्रमिक सुधार में विश्वास करते थे। **कथन 2 गलत है** – चरमपंथियों (तिलक, बिपिन चंद्र पाल) ने विशेष रूप से हिंसा की वकालत नहीं की थी; उन्होंने निष्क्रिय प्रतिरोध, बहिष्कार और स्वदेशी पर जोर दिया। हिंसा उनका एकमात्र तरीका नहीं था।
2. **पारिस्थितिक अनुक्रमण** का तात्पर्य समय के साथ एक पारिस्थितिकी तंत्र में प्रजातियों की संरचना में परिवर्तन की क्रमिक और व्यवस्थित प्रक्रिया से है। यह अग्रणी प्रजातियों (pioneer species) से शुरू होता है और चरम समुदाय (climax community) में समाप्त होता है। इसलिए, (b) सही है।

3. **कथन 1 गलत है** – लागत-प्रेरित मुद्रास्फीति उत्पादन की बढ़ती लागत (जैसे मजदूरी, कच्चा माल) के कारण उत्पन्न होती है, मांग के कारण नहीं। **कथन 2 सही है** – कोर मुद्रास्फीति में भोजन और ईंधन शामिल नहीं होते हैं। **कथन 3 सही है** – मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए कठोर मौद्रिक नीति (दर वृद्धि, तरलता को कम करना) का उपयोग किया जाता है। इसलिए, दो कथन सही हैं।

4. **कथन 1 सही है** – भारत शक्तियों के विभाजन के साथ एक संघीय ढांचे का पालन करता है। **कथन 2 गलत है** – अवशिष्ट शक्तियाँ संघ (केंद्र) के पास होती हैं, राज्यों के पास नहीं। **कथन 3 गलत है** – अंतर-राज्य परिषद एक स्थायी संवैधानिक निकाय नहीं है; यह अनुच्छेद 263 के तहत स्थापित किया जाता है लेकिन यह अनिवार्य/स्वचालित नहीं है। **कथन 4 सही है** – आपातकाल के दौरान, या अनुच्छेद 249, 250 जैसे अनुच्छेदों के तहत संसद राज्य सूची पर कानून बना सकती है। इसलिए, तीन कथन सही हैं।

5. **अभिकथन सही है** – भूमध्यसागरीय जलवायु पश्चिमी किनारों (जैसे कैलिफोर्निया, दक्षिणी यूरोप) पर पाई जाती है। **R1 सही है** – गर्मियों में उपोष्णकटिबंधीय उच्च दबाव का प्रभुत्व होता है → शुष्क स्थिति। **R2 सही है** – सर्दियों में पछुआ हवाएं खिसकती हैं → चक्रवाती वर्षा। दोनों कारण अभिकथन में वर्णित मौसमी पैटर्न की सही व्याख्या करते हैं।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और अनुबंधों में 'फोर्स मेज्योर' (Force Majeure) की अवधारणा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक ऐसा सिद्धांत है जिसे सभी कानूनी प्रणालियों के तहत समान रूप से एक वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता प्राप्त है, जिसे संविदात्मक खंडों (contractual clauses) की परवाह किए बिना लागू किया जा सकता है।

2. इसमें भू-राजनीतिक संघर्ष, महामारी, या सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध जैसी घटनाएं शामिल हो सकती हैं, बशर्ते वे स्पष्ट या निहित रूप से संविदात्मक शर्तों के तहत कवर की गई हों।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा नाविक (NavIC) प्रणाली में परमाणु घड़ी (atomic clock) की विफलता के प्राथमिक परिणाम का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(a) उपग्रह संचार सेवाओं का पूर्ण रूप से बंद होना (b) सटीक समय की हानि जिससे नेविगेशन की सटीकता प्रभावित होती है (c) मिसाइल लॉन्च का पता लगाने में असमर्थता (d) जमीन आधारित संवर्धन प्रणालियों (ground-based augmentation systems) की विफलता

प्रश्न 3. पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL) सिस्टम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह स्वदेशी रूप से विकसित एक आर्टिलरी (तोपखाना) प्रणाली है जिसे रूसी मूल के ग्राड बीएम-21 (Grad BM-21) सिस्टम को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2. यह अपने उन्नत संस्करणों में बेहतर सटीकता के साथ निर्देशित रॉकेट (guided rockets) दागने में सक्षम है।
3. इसे विशेष रूप से निजी क्षेत्र की संस्थाओं द्वारा सरकारी डीआरडीओ (DRDO) प्रयोगशालाओं की भागीदारी के बिना विकसित और निर्मित किया गया है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई नहीं

प्रश्न 4. संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 (Section 301) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी भी प्राधिकरण द्वारा जांच के बिना व्यापार प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है।
2. इसका उपयोग बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन और अनुचित व्यापार प्रथाओं से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए किया गया है।
3. यह संयुक्त राज्य अमेरिका को एकतरफा कार्रवाई करने की अनुमति देता है, भले ही ऐसे उपाय विश्व व्यापार संगठन (WTO) के विवाद निपटान तंत्र के साथ असंगत हों।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई नहीं

प्रश्न 5. 'सुजल गांव आईडी' (Sujal Gaon ID) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक डिजिटल पहचान प्रणाली है जिसका उद्देश्य ग्रामीण पेयजल आपूर्ति बुनियादी ढांचे की निगरानी करना है।
2. यह रीयल-टाइम जल गुणवत्ता निगरानी के साथ जल संपत्तियों के भू-स्थानिक मानचित्रण (geospatial mapping) को एकीकृत करता है।
3. इसे जल जीवन मिशन के तहत ग्राम-स्तरीय जल शासन (water governance) पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागू किया गया है।
4. यह केवल उन घरों को विशिष्ट पहचानकर्ता (unique identifiers) प्रदान करता है जिन्हें पाइप से जल आपूर्ति मिल रही है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार

प्रश्न 6. मेघमलाई वन्यजीव अभयारण्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह तमिलनाडु के पश्चिमी घाट क्षेत्र में स्थित है।
2. यह पेरियार टाइगर रिजर्व को कलक्कड़-मुंडनथुराई टाइगर रिजर्व के साथ जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण गलियारे के रूप में कार्य करता है।
3. इसकी मुख्य विशेषता शुष्क पर्णपाती वन (dry deciduous forests) और कांटेदार झाड़ीदार वनस्पति है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

उत्तर

1. **(b)**
2. **(b)**
3. **(b)**
4. **(b)**
5. **(c)**
6. **(a)**

विस्तृत व्याख्या

प्रश्न 1 व्याख्या (फोर्स मेज्योर)

- **कथन 1 गलत है** → फोर्स मेज्योर स्वचालित रूप से वैधानिक नहीं होता है; यह संविदात्मक खंडों पर निर्भर करता है या हताशा के सिद्धांत (भारतीय अनुबंध अधिनियम) के तहत आ सकता है।
- **कथन 2 सही है** → महामारी, युद्ध, लॉकडाउन जैसी घटनाएं तभी योग्य मानी जाती हैं जब वे अनुबंध में शामिल हों। अतः, **(b)** सही है।

प्रश्न 2 व्याख्या (नाविक परमाणु घड़ी विफलता)

- परमाणु घड़ियाँ नेविगेशन उपग्रहों में मुख्य समय उपकरण होती हैं।
- इनकी विफलता से सटीक समय की हानि होती है → जिससे स्थितीय सटीकता (positional accuracy) कम हो जाती है, न कि सेवाएं पूरी तरह बंद होती हैं। अतः, **(b)** सही है।

प्रश्न 3 व्याख्या (पिनाका प्रणाली)

- **कथन 1** → सही (ग्राड बीएम-21 के प्रतिस्थापन के रूप में)।
- **कथन 2** → सही (निर्देशित पिनाका रॉकेट विकसित किए गए हैं)।
- **कथन 3** → गलत (DRDO और निजी क्षेत्र दोनों इसमें शामिल हैं)। सही कथनों की संख्या = 2 → **(b)**

प्रश्न 4 व्याख्या (धारा 301)

- **कथन 1** → गलत (इसके लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि - USTR द्वारा जांच आवश्यक है)।
- **कथन 2** → सही (आईपी अधिकारों के उल्लंघन और चीन के मामलों में उपयोग किया गया)।
- **कथन 3** → सही (यह डब्ल्यूटीओ मानदंडों को दरकिनार करते हुए एकतरफा कार्रवाई कर सकता है)। सही कथनों की संख्या = 2 → **(b)**

प्रश्न 5 व्याख्या (सुजल गांव आईडी)

- **कथन 1** → सही।
- **कथन 2** → सही।
- **कथन 3** → सही (जल जीवन मिशन के तहत)।
- **कथन 4** → गलत (आईडी जल बुनियादी ढांचे/संपत्तियों को दी जाती है, न कि केवल घरों को)। सही कथनों की संख्या = 3 → **(c)**

प्रश्न 6 व्याख्या (मेघमलाई वन्यजीव अभयारण्य)

- **कथन 1** → सही (तमिलनाडु, पश्चिमी घाट)।
- **कथन 2** → सही (महत्वपूर्ण पारिस्थितिक गलियारा)।
- **कथन 3** → गलत (मुख्य रूप से सदाबहार और पर्वतीय वन पाए जाते हैं, न कि शुष्क झाड़ियाँ)।

  सही उत्तर = **(a)**

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. GS पेपर 1 (कक्षा 12वीं - अध्याय 4: विचारक, विश्वास और इमारतें)

प्राचीन भारत में कला और वास्तुकला को आकार देने में बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा कीजिए। क्षेत्रीय विविधताओं ने इसके विकास को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर: बौद्ध धर्म ने भारतीय कला और वास्तुकला को आकार देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई, विशेष रूप से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और छठी शताब्दी ईस्वी के बीच। सादगी, प्रतीकवाद और सुलभता पर इसके जोर ने **स्तूप, चैत्य और विहार** जैसे विशिष्ट स्थापत्य रूपों के उदय का मार्ग प्रशस्त किया।

स्तूप, जिसका उदाहरण सांची है, एक अवशेष टीले के रूप में कार्य करता था जो बुद्ध की उपस्थिति का प्रतीक था। समय के साथ, **तोरण** (प्रवेश द्वार) और जटिल नक्काशी जैसी विस्तृत संरचनाओं ने जातक कथाओं को चित्रित किया, जो बौद्ध कला के उपदेशात्मक उद्देश्य को दर्शाते थे। इसी तरह, **अजंता और कार्ले** के शैलकृत (rock-cut) चैत्य और विहार इंजीनियरिंग और कलात्मक परिष्कार में प्रगति का प्रदर्शन करते हैं।

बौद्ध कला चरणों के माध्यम से विकसित हुई–प्रारंभ में यह **अनिकोनिक** (पदचिह्न, बोधि वृक्ष जैसे प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व) थी और बाद में **प्रतिमात्मक** (iconic) हुई, जिसमें बुद्ध को मानवीय रूप में चित्रित किया गया। यह बदलाव क्षेत्रीय अंतःक्रियाओं से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित था।

क्षेत्रीय विविधताएं विशेष रूप से इनमें स्पष्ट हैं:

- **गांधार शैली (उत्तर-पश्चिम):** मजबूत यूनानी-रोमन प्रभाव, यथार्थवादी मानव रूप, और लहरदार वस्त्र।

- **मथुरा शैली (उत्तर भारत):** स्वदेशी शैली, आध्यात्मिक अभिव्यक्ति और पुष्ट आकृतियाँ।
- **अमरावती शैली (दक्षिण भारत):** गतिशील रचनाएँ और कथात्मक नक्काशी (reliefs)।

ये विविधताएं सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापार मार्गों और संरक्षण के पैटर्न को दर्शाती हैं। व्यापार नेटवर्क के साथ बौद्ध धर्म के प्रसार ने पूरे एशिया में कलात्मक प्रसार को भी सुगम बनाया। इस प्रकार, बौद्ध कला स्थिर नहीं बल्कि अनुकूलनशील थी, जिसने मुख्य आध्यात्मिक विषयों को बनाए रखते हुए क्षेत्रीय सौंदर्यशास्त्र को एकीकृत किया। इसने बाद के मंदिर वास्तुकला की नींव रखी और अखिल एशियाई कलात्मक परंपराओं को प्रभावित किया।

प्रश्न 2. GS पेपर 2 (कक्षा 12वीं - अध्याय 4 / राजनीतिक और सामाजिक विचार जुड़ाव)

मूल्यांकन कीजिए कि धार्मिक दर्शनों ने प्राचीन भारत में सामाजिक-राजनीतिक संरचनाओं को कैसे प्रभावित किया। उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: प्राचीन भारत में धार्मिक दर्शनों ने नैतिक ढांचा प्रदान करके और अधिकार को वैधता देकर सामाजिक-राजनीतिक संस्थानों को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया।

ब्राह्मणवादी परंपराओं ने **वर्ण व्यवस्था** को सुदृढ़ किया, समाज को पदानुक्रमित रूप से व्यवस्थित किया और राजनीतिक अधिकार को अनुष्ठानिक सर्वोच्चता के साथ जोड़ा। राजा **राजसूय और अश्वमेध** जैसे अनुष्ठानों के माध्यम से वैधता प्राप्त करते थे, जो दैवीय स्वीकृति पर जोर देते थे।

इसके विपरीत, बौद्ध और जैन धर्म जैसी गैर-रूढ़िवादी परंपराओं ने अधिक समतावादी विचार पेश किए। **बौद्ध संघ** ने एक अर्ध-लोकतांत्रिक संस्था के रूप में कार्य किया, जिसमें सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया और संहिताबद्ध नियम (**विनय पिटक**) थे। इसने परामर्श और नैतिक अधिकार पर जोर देने वाले शासन मॉडलों को प्रभावित किया।

एक प्रमुख उदाहरण **अशोक** हैं, जिन्होंने बौद्ध धर्म अपनाने के बाद **धम्म** का प्रचार किया–जो कल्याण, अहिंसा और सहिष्णुता पर केंद्रित एक नैतिक संहिता थी। उनके शिलालेख नैतिक शासनकला के प्रारंभिक रूपों को दर्शाते हैं, जो विजय के बजाय सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता देते हैं।

गुरुकुल और मठवासी विश्वविद्यालयों (**नालंदा**) जैसे शैक्षणिक संस्थानों ने सामाजिक मूल्यों और प्रशासनिक प्रशिक्षण को और मजबूत किया। इस प्रकार, धार्मिक दर्शन केवल आध्यात्मिकता तक सीमित नहीं थे बल्कि शासन, कानून और सामाजिक व्यवस्था के साथ गहराई से जुड़े हुए थे। उन्होंने अधिकार को नैतिक जिम्मेदारी के साथ संतुलित करते हुए भारत के प्रारंभिक राजनीतिक विचारों को आकार दिया।

प्रश्न 3. GS पेपर 3 (कक्षा 12वीं - अध्याय 4: पर्यावरणीय/आर्थिक जुड़ाव)

प्राचीन भारत के दौरान आर्थिक विकास में व्यापार मार्गों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भूमिका का परीक्षण कीजिए। उन्होंने तकनीकी और शहरी विकास को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर: प्राचीन भारत में आर्थिक विकास के लिए व्यापार मार्ग केंद्रीय थे, जो वस्तुओं, विचारों और प्रौद्योगिकियों के लिए वाहक के रूप में कार्य करते थे। भूमि मार्ग (**रेशम मार्ग**) और समुद्री मार्ग (**हिंद महासागर व्यापार**) दोनों ने व्यापक वाणिज्यिक नेटवर्क को सुगम बनाया।

तक्षशिला, उज्जैन और पाटलिपुत्र जैसे **शहरी केंद्र** इन मार्गों के किनारे उभरे, जिन्हें व्यापार राजस्व और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से लाभ हुआ। लोथल जैसे बंदरगाह उन्नत डॉकयार्ड इंजीनियरिंग और समुद्री क्षमताओं को उजागर करते हैं।

रोमन साम्राज्य के साथ व्यापार के कारण सोने के सिक्कों का प्रवाह हुआ, जिससे मुद्रीकरण और शिल्प विशेषज्ञता को बढ़ावा मिला। दक्षिण भारत में रोमन सिक्कों की पुरातात्विक खोज मजबूत विदेशी व्यापार का संकेत देती है।

इन अंतःक्रियाओं के माध्यम से तकनीकी प्रसार हुआ:

- नई धातुकर्म तकनीकों की शुरुआत।
- जहाज निर्माण में प्रगति।
- कृषि पद्धतियों का प्रसार।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान ने कला (जैसे गांधार शैली) और धर्म (मध्य एशिया में बौद्ध धर्म का प्रसार) को भी प्रभावित किया। इस प्रकार, व्यापार मार्ग केवल आर्थिक चैनल नहीं थे बल्कि शहरीकरण, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक संश्लेषण के इंजन थे, जिन्होंने प्रारंभिक आर्थिक वैश्वीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रश्न 4. GS पेपर 4 (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि)

"शासन में दमनकारी अधिकार की तुलना में नैतिक नेतृत्व अधिक प्रभावी होता है।" भारतीय इतिहास और समकालीन प्रशासन के उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

उत्तर: नैतिक मूल्यों और सार्वजनिक विश्वास पर आधारित **नैतिक नेतृत्व**, अक्सर दमनकारी अधिकार की तुलना में अधिक टिकाऊ साबित होता है, जो बल और अनुपालन पर निर्भर करता है।

ऐतिहासिक रूप से, कलिंग युद्ध के बाद अशोक का परिवर्तन नैतिक नेतृत्व का उदाहरण है। धम्म को अपनाकर, उन्होंने विजय (घोष) से कल्याण (धम्म) की ओर रुख किया, जिससे दीर्घकालिक स्थिरता और वैधता सुनिश्चित हुई। इसी तरह, महात्मा गांधी के अहिंसक दृष्टिकोण ने बिना किसी दबाव के जनता को लामबंद किया, जो राजनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में नैतिक अनुनय की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

समकालीन शासन में, जो सिविल सेवक पारदर्शिता, सहानुभूति और जवाबदेही को प्राथमिकता देते हैं, वे विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देते हैं। उदाहरण के लिए, सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने वाले प्रशासक केवल प्रवर्तन (enforcement) पर निर्भर रहने वालों की तुलना में बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं।

दमनकारी अधिकार अल्पकालिक परिणाम दे सकता है लेकिन यह अक्सर आक्रोश और प्रतिरोध पैदा करता है। इसके विपरीत, नैतिक नेतृत्व स्वैच्छिक अनुपालन, नागरिक जिम्मेदारी और संस्थागत विश्वसनीयता को प्रोत्साहित करता है। हालाँकि, एक संतुलन आवश्यक है। व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नैतिक नेतृत्व को कानूनी अधिकार द्वारा पूरक किया जाना चाहिए। इस प्रकार, नैतिक नेतृत्व अधिकार को वैधता के साथ जोड़कर शासन की प्रभावशीलता को बढ़ाता है, जिससे यह लोकतांत्रिक प्रणालियों में अपरिहार्य बन जाता है।

प्रश्न 5. समसामयिकी (माओवाद विरोधी रणनीति का विकास)

सुरक्षा-केंद्रित दृष्टिकोण से विकास-उन्मुख ढांचे की ओर भारत की माओवाद विरोधी रणनीति के विकास का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

उत्तर: भारत की माओवाद विरोधी रणनीति विशुद्ध रूप से सुरक्षा-संचालित मॉडल से बदलकर विकास और शासन को एकीकृत करने वाले एक अधिक समग्र दृष्टिकोण के रूप में विकसित हुई है।

प्रारंभ में, ध्यान कानून-व्यवस्था के उपायों पर था, जिसमें सीआरपीएफ और कोबरा (CoBRA) जैसी विशेष इकाइयों जैसे अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। हिंसा को रोकने के लिए आवश्यक होने के बावजूद, अंतर्निहित सामाजिक-आर्थिक शिकायतों के कारण इस दृष्टिकोण को सीमित सफलता मिली।

इसे स्वीकार करते हुए, सरकार ने एक बहुआयामी रणनीति अपनाई:

1. **सुरक्षा:** खुफिया-आधारित संचालन और बलों का आधुनिकीकरण।
2. **विकास:** वामपंथी उग्रवाद (LWE) क्षेत्रों में सड़क संपर्क, विद्युतीकरण और डिजिटल पहुंच जैसी पहल।
3. **शासन:** स्थानीय प्रशासन को मजबूत करना और कल्याणकारी योजनाओं का वितरण।

4. **अधिकार-आधारित दृष्टिकोण:** वन अधिकार अधिनियम और जनजातीय कल्याण कार्यक्रमों का कार्यान्वयन।

जनजातीय युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार को लक्षित करने वाले कार्यक्रमों का उद्देश्य माओवादी रैंकों में भर्ती को कम करना है। प्रभावित जिलों और घटनाओं में कमी आंशिक सफलता का संकेत देती है। हालाँकि, शासन की कमी, विस्थापन के मुद्दे और विश्वास की कमी जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

इस प्रकार, यह बदलाव इस समझ को दर्शाता है कि उग्रवाद को केवल बल के माध्यम से संबोधित नहीं किया जा सकता है; स्थायी शांति के लिए समावेशी विकास और उत्तरदायी शासन की आवश्यकता होती है।